www.abtmm.in

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अंक 265 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | जुलाई 2020

आचार्य श्री भिक्षु
295वां जन्म दिवस

263वां बोधि दिवस

261वां तेरापंथ स्थापना दिवस

तेरापंथ धर्मसंघ के दिव्य भास्कर, आद्य-प्रवर्तक **आचार्य श्री भिक्षु** के जन्मदिवस, बोधि दिवस एवं तेरापंथ स्थापना दिवस पर शत्-शत् अभिवन्दन

ममतामयी वात्सल्यमयी मां,
अद्भुत है तेरा अन्दा।
गुरू तुलसी की अनुपम कृति
तुम नारी शक्ति की आवाज।

61वें दीक्षा दिवस
पर शत्-शत् नमन

ऊर्जावाणी

आचार्य भिक्षु का तेरापंथ धर्मसंघ अपनी मौलिकताओं को पूर्ण–रूप से सुरक्षित रखता हुआ युगीन परिवेश को स्वीकार कर आगे बढ़ रहा है। इस युग की भाषा में उसकी यह पहचान हो सकती है–

- अर्हत–वाणी पर आत्मार्पण का नाम है तेरापंथ।
- आचार और विचार की समन्विति का नाम है तेरापंथ।
- नवीनता और प्राचीनता के सहावस्थान का नाम है तेरापंथ।
- अनुशासन और आचार को सर्वोपरि मानने का नाम है तेरापंथ।
- आचार्य और संघ के पारस्परिक अनुबन्ध का नाम है तेरापंथ।
- साधना, सेवा और श्रम की त्रिवेणी का नाम है तेरापंथ।
- अहंकार और ममकार के विसर्जन का नाम है तेरापंथ।
- व्यक्तित्व–विकास का प्रशिक्षण–केन्द्र है तेरापंथ।
- विज्ञान और धर्म के सामंजस्य का नाम है तेरापंथ।

आचार्य श्री तुलसी

जैन–धर्म पर आचार्य भिक्षु की अगाध श्रद्धा थी, पर वे जैन धर्म को संकुचित अर्थ में नहीं मानते। उनकी वाणी है – भगवान का मार्ग राजमार्ग है। वह कोई पगडंडी नहीं जो बीच में ही रूक जाये। वह तो सीधा मोक्ष का मार्ग है।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ

आचार्य भिक्षु बुद्धि, आस्था और आचार निष्ठा के संगम के उदारण थे। कुछ व्यक्ति आचारनिष्ठ होते है पर उनमें प्रज्ञा व औत्पत्तिकी बुद्धि नहीं होती है। कुछ व्यक्ति आस्थाशील होते हैं, पर आचार–पालना में दुर्बलता का अनुभव करते हैं। कुछ व्यक्ति नवनवोन्मेषशालिनी प्रतिभा से सम्पन्न होते हैं पर श्रद्धा व चरित्र में निपुण नहीं होते। भिक्षु में जहां आचारनिष्ठा का अजस्त्र स्रोत प्रवाहित था, वहीं प्रज्ञा और जिनवाणी के प्रति अटूट आस्था का साहचर्य भी था।

देव अरहंत निर्ग्रन्थ गुरु, माहरे केवलीए भाषित धर्म।
एक तीनूं ई तत्त्व सेठाकर झालीया और छोड़ दिया सहु मर्म।।

आचार्य श्री महाश्रमण

आचार्य भिक्षु सत्य के खोजी थे। सत्य की उपलब्धि में सबसे बड़ी बाधा है वैचारिक दुराग्रह। निषेधात्मक भावों में जीने की मनोवृत्ति भी व्यक्ति को सत्य तक नहीं पहुँचा सकती। आचार्य भिक्षु के विचारों में न कोई पूर्वाग्रह या दुराग्रह था और न नकारात्मक भावों का प्रभाव था। वे जिज्ञासु थे। उन्होंने अपनी जिज्ञासा के पंख उन्मुक्त किए, पर उन्हें उड़ान भरने के लिए मुक्त आकाश नहीं मिला। उनके मन की छटपटाहट ने एक नए आकाश का निर्माण किया और उसे तेरापंथ नाम मिल गया।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

अध्यक्षीय

प्रिय बहनों,

राजस्थान प्रान्त, मरूधर प्रदेश का एक छोटा सा गांव कंटालिया। वि. सं. 1783 आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी को मर्त्यलोक की धरती पर एक अमरत्व का आविर्भाव हुआ। अढ़ाई सदी बीत गई पर अब तक भीखण जैसी उत्क्रान्त चेतना वाला व्यक्ति पैदा नहीं हुआ। ऐसे महा मानव सहस्राब्दियों के अन्तराल से कभी कभी पैदा होते हैं। प्रणाम! उस परम पावन दिवस को जिस दिन महान तत्ववेत्ता, मर्यादा मर्मज्ञ, अनुशासन की कला में दक्ष जैन परम्परा में एक नवोदित सूर्य का उदय हुआ। जिसको हम 295 वें जन्मदिवस व 263 वें बोधि दिवस पर शत् शत् श्रद्धाजंली अर्पित करते हैं। भीखण की प्रतिभा, प्रज्ञा व पुरुषार्थ ने बचपन में ही नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। विवाह हुआ पर जल्दी ही पत्नी वियोग हो गया। सत्य का खोजी कहीं ठहरता नहीं। उन्होंने सत्य तक जाने वाले हर रास्ते को चिंतन की गहराई से मापा आखिर स्थानकवासी धर्मसंघ के आचार्य रघुनाथजी के सान्निध्य में अपनी जीवन यात्रा शुरु की। भगवान महावीर उनके आदर्श थे। जैन आगम उनकी आस्था के केन्द्र थे। सिद्धान्त व आचरण की विसंगति उन्हें मान्य नहीं थी। समझ और बोधी की भूमिकाएं अलग अलग होती है और इसी बोधि से मुनि श्री भीखण के अन्दर नया संकल्प, नया उत्साह, नई जागृति एवं नई दिशा की ओर प्रस्थान कर धर्म क्रान्ति का बिगुल बजाया। उनके भीतर पुरुषार्थ की ज्योति सदा प्रदीप्त रही, परिस्थितियों के सामने घुटने टिकाना उन्हें मान्य न था। वे लोह पुरुष थे। मन में विश्वास था, वादों में गति और वाणी में जादू था। भीखण ने अपने बारह साथियों के साथ अभिनिष्क्रमण किया। मुनि भीखण का किसी पंथ का प्रवर्तन इष्ट नहीं था। पर लोक मुख से मुखरित हो गया उसे नकारना भी संभव नहीं था और आषाढ़ी पूर्णिमा वि.स. 1817 को उस सत्य के पुजारी ने समर्पण की मुद्रा में अपने आराध्य को संबोधित करते हुए कहा – 'हे प्रभो ! यह तेरापंथ'। केलवा की अंधेरी ओरी, यक्षदेव कृत परीक्षा, तप का तेज था, प्रभु के प्रति अनन्त श्रद्धा थी यक्ष भी उनके तेज के सामने नतमस्तक हो गया और फिर लोकमानस में भरा हुआ मिथ्या विरोध भी बदल गया श्रद्धा भरे समर्पण में। पूरे केलवा के लोग प्रतिबुद्ध होकर आचार्य भिक्षु के अनुयायी हो गए। 261 वें तेरापंथ स्थापना दिवस पर उस लोह पुरुष को सहस्त्रों प्रणाम।

उत्तरवर्ती सभी आचार्य भी अपनी तेजस्विता व ओजस्विता से इस धर्मसंघ को सिंचन देते रहे है उसका एक जीता जागता उदाहरण है आचार्य महाश्रमण। अभी बैंगलोर चातुर्मास समाप्त कर हैदराबाद की और प्रस्थान कर दिए थे कि अचानक कोरोना महामारी के कारण महाराष्ट्र में सोलापुर से 12 कि.मी. पहले बेलाटी में लगभग ढाई महिने विराजे। वहां से इस महामारी में भी 15-15 किमी. का विहार कर अपने गुरु के इंगितानुसार छोटे-छोटे संत सतियां खुशी-खुशी इस विपत्ति में भी निर्भीकता, निडरता व समर्पण के साथ अपने गंतव्य पर बढ़ते जा रहे हैं। गुरु की महिमा अपरम्पार होती है। समस्याएं अपने आप समाधान बन जाती है। अब आचार्य प्रवर अपनी धवल सेना के साथ लगभग 23 जून 2020 तक हैदराबाद में प्रवेश कर लेंगे। हम नमन करते हैं ऐसे धीर, गंभीर जुबान के पक्के महान गुरु को जिनमें साक्षात भिक्षु के दर्शन होते हैं।

बहनों ! चातुर्मास प्रारम्भ होने वाला है इस बार हम हो सकता है व्याख्यान में जा पायें या नहीं पर धर्म आराधना कर अपने कर्मो को काटना है। कर्मों की निर्जरा तपस्या से होती है। पर अभी हमें अपना इम्यूनिटी पावर बढ़ाकर रखना है सबसे बड़ी साधना हैं समता की साधना। संघ में किसी भी प्रकार की सेवा की जरूरत हो तो कोई भी पदाधिकारी या साधारण कार्यकर्ता, सेवा में पीछे न रहे। हमारा कर्तव्य बनता है हम परिवार, समाज, संघ व देश के प्रति पहरेदारी करते रहें। वक्त पड़े तो संघ व संघपति के लिए हमारे प्राण भी हाजिर है। सावन व भाद्र मास हमारी त्याग, तपस्या के लिए विशेष रूप से जाने जाते हैं हम सामायिक, मौन, जप, ध्यान, स्वाध्याय से अपना जीवन अध्यात्म से ओतःप्रोत बनाए रखे यही मंगलकामना है।

आपकी

पुष्पा बैद

श्रद्धेय असाधारण साध्वी प्रमुखाश्रीजी के 61 वें दीक्षा दिवस पर करबद्ध भावभरी अभिवंदना

आधी दुनिया के मानचित्र में उभरता एक अतिशायी व्यक्तित्व, जिनकी साधना, शिक्षा और प्रशासन प्रविधि ने एक नई मिसाल कायम की है।

''वन्दे गुरुवरम'' शब्दोच्चारण व भाव वन्दना के साथ जिनकी दैनिक चर्या प्रारम्भ होती है, नमस्कार महामंत्र का स्मरण जिनकी अन्तः आस्था को व्यक्त करता है। नित्यप्रति गूंजनेवाली स्वाध्याय की धुन जिनकी आत्मोपासना का परिचय देती है, जप नियमित क्रम जिनकी शक्ति सम्पन्नता का राज बताता है प्रतिक्रमण व प्रतिलेखन की प्रयोग-प्रक्रिया जिनकी साधना को संपोषण देती है। प्रातः गुरुदर्शन करते ही जिनकी मन, वचन, काया की प्रवृति अत्युतम रसायन प्राप्त करती है। ऐसी महाश्रमणीजी का बोध, संबोध आशीर्वाद से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की बहनों में ऊर्जा का संचार करती है जिससे मंडल आगे से आगे विकास के पायदानों पर आरोहण कर रहा है। आप सबको अपनी आत्मीय तरंगों से तरंगित करती है आज हर श्रद्धालु के मन के कोने से यही भाव अभिव्यक्त हो रहे हैं।

तेरी ऊर्जा किरणे भरती, प्राणों में आध्यात्मिक स्पन्दन।
तेरे निर्देशों पर चलकर, खिल जाता है जीवन उपवन।
पांव पड़े जहां ओर तुम्हारे, बन जाती है माटी चन्दन।
बाधाओं से डरे न तिलभर, ज्ञान, ध्यान से भीगे अन्तर्मन।।

करणीय कार्य

प्रिय बहनों,

आशा है आप सभी स्वस्थ होंगे। आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना।

कोरोना महामारी के ऐसे संकटकाल में भी आप सबकी अनन्य सहभागिता से अनेक आध्यात्मिक, सामाजिक, कलात्मक व जीवन को परिपोषित करने सम्बन्धी विविध कार्यक्रम आयोजित हुए व हो रहे हैं। आप सब की सहभागिता व लगन उत्तरोतर प्रवर्द्धमान रहे – यही शुभांशसा।

बहनों जुलाई का यह महिना अनेक आयोजनों के साथ आया है –

- सावन का अध्यात्म से ओतः प्रोत यह महिना।
- आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी – महायोगी आचार्य भिक्षु का जन्म दिवस।
- आषाढ़ शुक्ला चतुर्दशी – चातुर्मासिक पक्खी प्रतिक्रमण।
- आषाढ़ शुक्ला पूर्णिमा – तेरापंथ स्थापना दिवस – जिस दिन आचार्य भिक्षु ने मर्यादा का कवच धारण कर सत्य के पथ पर आरुढ़ होकर तेरापंथ धर्मसंघ का सृजन किया।

ज्योति पा अध्यात्म की, तोड़ा तमस का सघन घेरा।
दे गया ध्रुव रोशनी, उस भिक्षु को प्रणिपात मेरा।।
हमारे भाग्य बड़े बलवान, मिला यह तेरापंथ महान।।

जानें, समझे व हृदयागम करें हमारे सुनहरे इतिहास को

Zoom (या Google Meet इत्यादि) पर एक सेमिनार आयोजित करें जिसमें तेरापंथ धर्मसंघ के विविध पहलुओं को आप गीत, संगीत, भक्ति, कविता, वक्तव्य इत्यादी द्वारा छुए एवं आत्मसात करें।

प्रतियोगिता के रूप में नहीं, बल्कि श्रद्धा समर्पण का कार्यक्रम रखा जाए।

स्व से संकल्प

पवित्र संकल्प ही संकल्प शक्ति का आधार है। हमारे संकल्प हमारे आराध्य महामना आचार्य भिक्षु के संकल्पों की तरह मजबूत सुदृढ़ और प्रबल होने चाहिए। संघर्षों की आँधी संकल्पों से विचलित करने की नहीं बल्कि जीवन में लिए गए संकल्पों पर दृढ़ रहने की प्रेरणा देती है। और इसी प्रेरणा का उद्भव् हुआ तेरापंथ से। जैसा कि हम सब को विदित ही है कि आचार्य श्री भिक्षु ने तेरापंथ की नींव की शुरुआत तेले के तप से की थी। गूंजी संकल्प की भाषा ..... हे प्रभो! यह तेरापंथ। बस यहीं से शुरुआत हुई भिक्षु युग की। तो आइए हम भी उस महामानव के बोधि दिवस, चार्तुमासिक पक्खी दिवस व तेरापंथ स्थापना दिवस पर तेले के तप द्वारा संघ की नींव और मजबूत करने का संकल्प लें। हम भी तेले के तपस्या से उस महामानव को सच्ची श्रद्धांजली दें। बहनों ध्यान दें तेला हम आयम्बिल व एकासन का भी कर सकते है। तो तैयार है ना आप और हम सभी तेले के तप के लिए। आपके क्षेत्र में कितने तेले हुए इसकी पूरी रिर्पोट आप श्रीमती संतोष बोथरा – 9413659712 को भेज देवें। इसमें महिला पुरुष सभी संभागी बन सकते हैं।

कंठस्थ ज्ञान

भक्तामर स्तोत्र का 29, 30, 31, 32 चार पद्य याद करें
एवं चोबीसी की सातवीं गीतिका 'सुपार्श्व प्रभु' की याद करें।

साधारण सभा - आरोहण

कोरोना महामारी के चलते हमने यह निर्णय लिया कि इस बार साधारण सभा का आयोजन सभी शाखा मंडल 15 जुलाई 2020 तक जूम मीटिंग में आयोजित करें।

1. आरोहण का संदेश - संस्था बने विशेष

- संविधान का वाचन
- मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत करना
- आय-व्यय का बजट पेश करना
- अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की प्रतियोगिताओं में जो बहनें व कन्याएं विजेता हुई है उनका नामोल्लेख करना तथा सर्टिफिकेट जब मौका मिले तब वितरित करें।

2. बढ़े आरोहण की ओर : सशक्त बनें चहुँ ओर

- शारीरिक स्वास्थ्य
- मानसिक स्वास्थ्य
- भावनात्मक स्वास्थ्य
- हम अपने कर्तव्यों को परिवार, समाज व देश के प्रति पूर्ण जागरूकता से निभाएं। आसपास में गरीब, असहाय एवं बीमार लोगों की सहायता पूर्ण सर्तकता व जागरूकता के साथ करें।

3. आरोहण का सजग प्रयास : ज्ञान का हो विकास

- कोविड 19 के समय अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दिए गये कार्य व प्रश्नमंच प्रतियोगिता में शाखा मंडलों को ज्यादा से ज्यादा भाग लेकर अपना रैंक बनाना है।
- क्या हम श्रावकत्व के प्रति पूर्ण जागरूक है ? जहां साधु-साध्वियों का चौमासा है वहां जा सके तो जाएं नहीं जा सके तो अध्यक्ष, मंत्री फोन द्वारा सार संभाल अपने स्तर पर जरूर करें। हम संघ व समाज के सच्चे पहरेदार साबित हो ऐसा प्रयास करना है।
- अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दी गई प्रश्नोत्तरी, तप, जप में हमारा कितना व क्या योगदान रहा इस पर चिंतन करें।
- अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा दिए गए, रिश्तों की किताब, बनें आफताब (लेख) फैमिली नं.1 (विडियो), पोस्टर, कविता, फोटोफ्रेम जो भी प्रतियोगिता हुई है उनका रिजल्ट सुनाकर बहनों को प्रोत्साहित करें।

रास्ते की सेवा

अहिंसा यात्रा के अग्रदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी ने अपनी धवल सेना के साथ बैंगलुरु से हैदराबाद की ओर प्रस्थान किया। गुरुदेव की रास्ते की सेवा ''भावना चौका'' का शुभारम्भ 15 नवम्बर 2020 को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद तथा भावना चौका की संयोजिका श्रीमती सरला श्रीमाल, कार्यसमिति की बहनें व शाखा मंडल की बहनों की उपस्थिति में किया गया। मार्च तक निर्विघ्न रूप से चलता रहा पर वैश्विक महामारी कोरोना के कारण 20 मार्च से बहनें सेवार्थ नहीं आ सकी, पर भावना चौका गुरुदेव के प्रवास B.M.I.T. ब्रेलाटी तक सुचारू रूप से 31 मई तक चलता रहा। इसकी सुन्दर व्यवस्था के लिए श्रीमती सरला श्रीमाल व श्रीमती पुष्पा बोकड़िया को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल हृदय से आभार ज्ञापित करता है। सभी शाखा मंडलों का और अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के पदाधिकारीगण व कार्यसमिति की बहनों का भावना चौका में अपनी सहभागिता सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से भी बनी रही। भावना चौका की संयोजिका श्रीमती सीमा बैद, प्रचार प्रसार मंत्री निधि सेखानी का श्रम व सजगता से सेवा में आने जाने वाली बहनों का समय तय करने तथा समय-समय पर प्रमोशन द्वारा नारीलोक में उनके नाम दिए जाने में पूर्ण सजगता व जागरुकता का परिचय दिया। सभी को बहुत-बहुत साधुवाद।

कन्यामंडल करणीय कार्य

प्यारी बेटियों

सादर जय जिनेन्द्र

आशा है आप सभी स्वस्थ होंगे। आप सभी के उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना।

कोरोना महामारी के ऐसे संकटकाल में भी आप सबकी अनन्य सहभागिता से अनेक आध्यात्मिक, सामाजिक, कलात्मक व जीवन को transform करने सम्बन्धी विविध कार्यक्रम आयोजित हुए व हो रहे हैं। आप सबकी सहभागिता व लगन उत्तरोत्तर प्रवर्द्धमान रहे यही शुभाशंसा।

बेटियों ! जुलाई का यह महिना अनेक आयोजनों के साथ आया है –

- सावन का अध्यात्म से ओत-प्रोत यह महिना।
- आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी – महायोगी आचार्य भिक्षु का जन्म दिवस
- आषाढ़ शुक्ला चतुर्दशी – चातुर्मासिक पक्खी प्रतिक्रमण
- आषाढ़ शुक्ला पूर्णिमा – तेरापंथ स्थापना दिवस जिस दिन आचार्य भिक्षु ने मर्यादा का कवच धारण कर, सत्य के पथ पर आरूढ़ होकर तेरापंथ धर्मसंघ का सृजन किया।

ज्योति पा अध्यात्म की तोड़ा, तमस का सघन घेरा।
दे गया ध्रुव रोशनी उस भिक्षु को प्रणिपात मेवा।

Rise up with Knowledge of Great Person
Acharaya Bhikshu

जानें, समझें व हृदयगम करें हमारे सुनहरे इतिहास को

Zoom or Google Meet पर एक सेमिनार आयोजित करे जिसमें तेरापंथ धर्मसंघ के संस्थापक आचार्य भिक्षु के जीवन वृत्त सम्बन्धी संस्मरण व दृष्टांत को शामिल करे। इसे प्रतियोगिता के रूप में नहीं बल्कि श्रद्धा समर्पण का कार्यक्रम रखा जाए।

कन्यामंडल अधिवेशन 'आरोहण'

राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री का अभिनव चिंतन।
Zoom Meeting पर हो कन्या अधिवेशन।।

हमारी बेटियां अपने अथक परिश्रम लगन, क्षमता से अपने अस्तित्व व कर्तृत्व की विकास यात्रा में निरंतर उर्ध्वारोहण कर रही हैं। आवश्यकता है बदलते परिवेश में हम संस्कार, सौहार्द व सामंजस्य की पगडंडियों पर आरोहित होकर नव निर्माण करें। हमारी अधिक से अधिक कन्याएं इस अधिवेशन से लाभान्वित हो ऐसा हमें प्रयास करना है। इस अधिवेशन में सभी क्षेत्रों की कन्या मंडल प्रभारी बहनें, संयोजिका, उप-संयोजिका व सदस्य कन्याएं संभागी बने।

आरोहण अधिवेशन का प्रारूप निम्न प्रकार है :-

जुलाई 11, शनिवार	–	East Zone Meet - West Bengal, Asam, Orissa, Nepal
जुलाई 12, रविवार	–	South Zone Meet - Karnataka, Tamilnadu, Andra Pradesh
जुलाई 18, शनिवार	–	North & Central Zone Meet - M.P., Punjab, Hariyana, Delhi, Bihar, U.P.
जुलाई 19, रविवार	–	Maharashtra and Gujrat
जुलाई 25, शनिवार	–	राजस्थान संभाग Meet

जनगणना का ऐतिहासिक एवं श्रम साध्य कार्य हुआ पूर्ण

abtmm वेबसाइट पर डिजिटल डायरेक्टरी का प्रमोचन –

परम पूज्य गुरुदेव की असीम अनुकंपा से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने अपनी सभी शाखाओं के समस्त सदस्यों की डिजिटल डायरेक्टरी दिनाँक 11/6/2020 को लांच की। महिला मंडल के गठन के 45 साल के पश्चात पहली बार यह दुरूह और श्रम साध्य कार्य पूर्ण हुआ है।

400 शाखा मंडल से लगभग 50000 सदस्यों का डेटाबेस तैयार होकर डिजिटल डायरेक्टरी के रूप में निखर कर आया। इस डायरेक्टरी को आप सभी www.abtmm.org पर देख सकते है। सभी शाखा मंडल को डायरेक्टरी हेतु एक निर्धारित पासवर्ड भी दिया गया है, उस पासवर्ड के माध्यम से ही सदस्यों की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकेगी। वर्तमान तकनीक का सदुपयोग कर इस डायरेक्टरी को मंडल के सदस्यों के लिए सुलभ भी बनाया गया है। इस डेटा बेस में निहित प्राधिकृत सदस्यों की सूची एवम विस्तृत जानकारी ने संस्था के नेटवर्क को स्थायी सुदृढ़ता दी है।

सदस्य जनगणना एवम डिजिटल डायरेक्टरी की संयोजिका, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती नीलम जी सेठिया के अथक श्रम ,प्रबंधन कौशल एवम समय प्रतिबद्धता से ही लगभग 4 महीनों में यह दुरूह कार्य परिसम्पन्न हुआ। उन्होंने सुव्यवस्थित योजनाबद्ध तरीके से इस कार्य को द्रुत गति से संपादित किया। उनके साथ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के क्षेत्रीय प्रभारी एवम चारों जोन के ज़ोनल प्रभारियों को सहृदय साधुवाद जिन्होंने सभी शाखाओं से निरंतर संपर्क कर पूरे देश से डेटा एकत्रित करने का महनीय कार्य किया । इस सुव्यवस्थित चैनल के माध्यम से ही हमें यह आशातीत सफलता मिली है। साधुवाद के पात्र हैं शाखा मंडलों के अध्यक्ष/मंत्री जिन्होंने अपनी शाखा के डेटा को यथासमय जागरूकता एवम तत्परता के साथ हमें उपलब्ध करवाया,जिससे समयपूर्व हमें यह सफलता प्राप्त हुई। आप सभी के सार्थक श्रम को साधुवाद।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के इस ऐतिहासिक सृजन में कुछ सशक्त हाथ जुड़े, साथ मिलता गया, निस्वार्थ भाव से सहायक जुड़ते गए और एक्सेल के पन्ने कब डिजिटल डायरेक्टरी में तब्दील हुए पता ही नही चला। देव, गुरु, धर्म की कृपा से मंडल की धरोहर के रूप में यह डायरेक्टरी तैयार हुई है।

पुनः आभार एवम साधुवाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीलम जी सेठिया एवम सभी प्रभारियों के सार्थक श्रम को।

तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन दिशा निर्देश

- चारित्रात्माओं की तत्त्वज्ञान की परीक्षा दिनांक 5 और 8 अगस्त 2020 को मध्यान्ह 1 बजे से 4 बजे तक होगी। आपके क्षेत्र में कोई भी मुनिश्री, साध्वीश्री एवं समणीवृंद परीक्षा देना चाहते हैं तो निर्देशिका पुष्पा बैंगानी या राष्ट्रीय संयोजिका मंजु भूतोड़िया को सूचित करें।
- तत्त्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन के फार्म भरने की अन्तिम तारीख 30 जुलाई 2020 है। फार्म कोरियर करने है।
- तत्त्वज्ञान के फार्म भी इनके साथ ही भरवाने है व अलग से पैकेट बनाकर उन फार्म के साथ भेज सकते हैं।
- लॉकडाउन की वजह से प्रमाण पत्र व सर्टीफिकेट नहीं भेज पाये हैं कोरियर की सुविधा शुरु होने पर भेज पायेंगे।
- परीक्षा फार्म की PIF ग्रुप में भी डाली गई है व वेबसाईट पर भी उपलब्ध होगें।
- तत्त्वज्ञान के छठें वर्ष व तेरापंथ दर्शन के पांचवे वर्ष की मौखिक परीक्षा की तिथि निश्चित होते ही आपको सूचित कर दिया जायेगा।
- चारित्रात्माओं के फार्म के साथ उस क्षेत्र के किसी व्यक्ति की मेल आईडी (mail id) अवश्य Whatsap करें।

पुष्पा बैंगानी
निर्देशिका

मंजु भूतोड़िया
राष्ट्रीय संयोजिका

विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम

समय-समय पर नारीलोक में आर्ट खजाना या आपकी कलम से कुछ विषय दिए जाते हैं आज तीन प्रतियोगिताओं के परिणाम आपके सामने है। फरवरी की नारीलोक में दिया गया था Family No. 1 Short Film Competition लिखा हुआ है।

मई की नारीलोक में ''आपकी कलम'' में लिखा था ''कोविड 19 - जिम्मेदार कौन?'' तथा आर्ट खजाना में दिया गया था ''स्वयं की रक्षा - समाज की सुरक्षा'' (पोस्टर प्रतियोगिता with Slogan)

Family No. 1 Video :-

लगभग 123 शाखा मंडलों से संयोजिका श्रीमती वीणाजी बैद के पास देशभर से वीडियो आए। श्रीमती सुनीता जैन के सहयोग से परिणाम निम्न है।

1. उदयपुर - सिंघवी परिवार
2. विजयनगर (बैंगलोर) - कोठारी परिवार
3. डूंगरी - हिरण परिवार
4. सिरसा - गुजरानी परिवार
5. धोईंदा - लोढ़ा परिवार

आपकी कलम से.....

कोविड 19..... जिम्मेदार कौन ?

कविता प्रतियोगिता

देशभर के 86 शाखा मंडलों से संयोजिका श्रीमती सरिता बरलोटा को कविता की प्रविष्टियां प्राप्त हुई। श्रीमती गुलाब जी बोथरा के सहयोग से प्रस्तुत है विजेताओं की सूची।

1. नेहा चावत - टी दासरहल्ली - बैंगलोर
2. सुमंगला बोरड़ - फरीदाबाद
3. समता भूतोड़िया - काठमांडु नेपाल
4. कुसुम जैन - नोएड़ा
5. रेखा बाफना - नाथद्वारा

Art Khazana

स्वयं की रक्षा - समाज की सुरक्षा!!

पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 141 शाखा मंडलों से पोस्टर संयोजिका श्रीमती मधुजी श्यामसुखा को प्राप्त हुई। श्रीमती सरिताजी डागा एवं श्रीमती अर्चना भंडारी के सहयोग से विजेताओं की सूची प्रस्तुत है।

1. श्रुती बैंगानी - जयपुर, सी-स्कीम
2. सरोज गोलछा - राहुरकेला (ओडिशा)
3. जशु बाफना - उधना
4. चंचल ढुगड़ - जयपुर शहर

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी - जुलाई 2020

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र!

प्रश्नोत्तरी

संदर्भ पुस्तक - संबोधि पृष्ठ संख्या 84 से 102
कर्मवाद पृष्ठ संख्या 107 से 118

(अ) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए - (प्रत्येक उत्तर अन्तिम वर्ण आगामी उत्तर का प्रथम वर्ण होना चाहिए अन्त्याक्षरी)

1. यह सब पूर्ववर्ती कर्म का ..... है।
2. रोग उत्पत्ति के नौ कारण में से एक .....।
3. केवल ..... का अन्तर होगा।
4. एक ..... का है और दूसरा राजस्थान का।
5. उस ..... आवेग आ सकता है, न उत्तेजना आ सकती है और न वासना आ सकती है।
6. ..... इसलिए होता है कि आत्मा के साथ शरीर का योग है।
7. ..... विकास कभी नहीं होता।
8. ..... स्नेह और भय आदि की तीव्रता।
9. जहां ..... नहीं है, अन्यान्य कारण नहीं है वहां लू लगती है।

(ब) निम्न वाक्य सही है या गलत बताइए।

1. पहले सम्यकत्व होता है, फिर विरति होती है।
2. दो मास का दीक्षित मुनि भवनपति देवों के दुःखों को लांघ जाता है।
3. प्रवृति और निवृत्ति बंध-मोक्ष के कारण है।
4. जितना आवरण, उतना अज्ञान।
5. आध्यात्मिक अवकाश की दो कोटियां बतलाई गई है।
6. प्रवृत्ति के पांच प्रकार है और निवृत्ति के चार प्रकार है।
7. योग सूक्ष्म-व्यक्त प्रवृत्ति है।
8. पदार्थों को जान लेने मात्र से ज्ञान को सम्यक् कहा जा सकता है।
9. यदा गतिं बहुविद्या, जानाति संर्वदेहिनाम्
10. बंधन आवरण है और मुक्ति निरावरण
11. नष्टो मोहो गतं कलैव्यं, शुद्धा बुद्धिः अस्थिरं मनः।

नोट :

- प्रश्नों के उत्तर Google Form के द्वारा 25 जुलाई तक भेजने रहेंगे।
- Google Form की Link Team Group में सूचित कर दी जायेगी।
- सभी शाखा के अध्यक्ष/मंत्री से अनुरोध है कि Link अपनी शाखा के सदस्यों तक पहुँचाये।
- प्रश्नोतरी में संभागी बहिनों से अनुरोध है कि Link के लिए अपने अध्यक्ष/मंत्री से सम्पर्क करें।
- अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें –

श्रीमती मधु देरासरिया, सूरत
मो. : 9427133069
E-mail : madhujain312@gmail.com

जून माह के उत्तर

(अ) सही वाक्य बनाइये –

1. जीव अजीव
2. कर्मवाद
3. अभ्युदय
4. समय प्रबंधन
5. मन के जीते जीत
6. जैनयोग
7. संबोधि
8. सुखी कौन
9. प्रतिदिन
10. अर्हम
11. धर्म के सूत्र
12. अनेकान्त है तीसरा नेत्र
13. शरीर और आत्मा
14. चित्त और मन
15. कैसे सोचें
16. आभामंडल
17. जीवन की पोथी
18. अपने घर में
19. विसर्जन
20. पाथेय
21. प्रस्तुति
22. एकला चलो रे

जून माह के भाग्यशाली विजेता

जून माह में कुल 2354 प्रविष्टियां प्राप्त हुई। सर्वाधिक प्रविष्टियां भेजने वाले सक्रिय क्षेत्र है–

मुंबई – 450, जयपुर शहर – 150, अहमदाबाद – 140, सूरत – 100, चैन्नई – 80, इन्दौर – 60, जयपुर सी–स्कीम – 58, उदयपुर – 55 एवं बालोतरा से 50 प्रविष्टियां प्राप्त हुई।

1. श्रीमती पायल जैन, पटियाला
2. श्रीमती आशा रांका – चैन्नई
3. श्रीमती हेमलता मेहर – वापी
4. श्रीमती रीना हींगड़ – डांबीवली (मुंबई)
5. सुश्री प्रिया चोरड़िया – रायपुर कन्या मंडल
6. श्रीमती सपना जैन – फरीदाबाद
7. श्रीमती विजया बैद – दिल्ली
8. श्रीमती सुनिता पुगलिया – श्रीडूंगरगढ़ (गुवाहाटी)
9. श्रीमती प्रेमलता रांका – आसींद
10. सावन भारती सांड – कूच बिहार

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

1,31,000	ते.म.मं. काठमांडू द्वारा भावना चौका में सप्रेम भेंट।
51,000	दलखोला महिला मंडल द्वारा भावना चौका में भेंट।
51,000	तेरापंथ महिला मंडल (जयपुर शहर) द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000	मनोज कुमार – रंजूदेवी लुणिया द्वारा दोहिता के जन्म पर बधाई के रूप में सप्रेम भेंट।
51,000	तेरापंथ महिला मंडल गंगाशहर द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल जयपुर सी-स्कीम द्वारा सप्रेम भेंट।
51,000	श्रीमती मधु – विमलजी कटारिया बैंगलुरु द्वारा शादी की वर्षगांठ पर सप्रेम भेंट।
51,000	तेरापंथ महिला मंडल विजयनगरम् द्वारा सप्रेम भेंट।
41,000	तेरापंथ महिला मंडल विशाखापट्टनम द्वारा सप्रेम भेंट।
31,000	तेरापंथ महिला मंडल चैन्नई द्वारा सप्रेम भेंट।
31,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल (गांधीनगर-बैंगलोर) द्वारा भेंट।
21,000	तेरापंथ महिला मंडल राज राजेश्वरी – बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
21,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल गुलाबबाग द्वारा भेंट।
21,000	श्रीमान् सुगनचन्दजी-शांताबाई, पवनकुमार-चंदाबाई चौपड़ा द्वारा सप्रेम भेंट।
15,000	श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल लिलुआ द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमान देवराजजी-चंदाबाई, ज्योति, कमलेश, गगन संचेती बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	श्रीमान उत्तमचंदजी-मंजूदेवी, विकास कुमार – श्वेता संचेती द्वारा सप्रेम भेंट।
11,000	तेरापंथ महिला मंडल कूच बिहार द्वारा सप्रेम भेंट।
5,100	श्री अनुपचंदजी-कमलादेवी बोथरा (श्री डूंगरगढ़) द्वारा सप्रेम भेंट।
7,100	तेरापंथ महिला मंडल कोयम्बतूर द्वारा सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अध्यक्षीय कार्यालय : श्रीमती पुष्पा बैद – ''पावन'' बी-106/107, विद्युत नगर-बी, क्वीन्स रोड़, जयपुर - 302021
मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

महामंत्री कार्यालय : CA तरूणा बोहरा – 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई - 400068
मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती रंजु लुणिया – लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास, शिलोंग-793001 (मेघालय) मोः 94361033330, 8787645164 ईमेल lmplshillong@gmail.com

नारीलोक संपादन सहयोगी : श्रीमती गुलाब बोथरा मो : 9462342976

नारीलोक देखें website : www.abtmm.org